ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा म सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दो

पाठ -2

पंच परमेश्वर

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

समझू गाँव से गेहूँ, चना लादकर शहर ले जाता और शहर से सामान भरकर गाँव में बेचा करता। नए और स्वस्थ बैल से उसने खूब काम करवाया, दिन में तीन-तीन, चार-चार चक्कर लगवाए। वह बैल से काम तो खूब लेता पर उसे दाना-पानी नहीं देता था। परिणाम यह हुआ कि बैल की हड्डियाँ निकल आईं। एक दिन तो समझू ने बैल पर दुगना बोझा लादा। बेचारा जानवर ज़मीन पर बैठ गया और उठा ही नहीं। बैल मर चुका था।

अलगू चौधरी जब भी बैल के दाम माँगता तो समझू क्रोधित होकर रुपये देने से इंकार कर देता। अंत में दोनों में लड़ाई होने लगी। तंग आकर अलगू चौधरी ने समझू साहू के विपक्ष में पंचायत बिठाई।

पंचायत बैठी। अलगू चौधरी और जुम्मन शेख के बैर का हाल समझू साहू जानता था, इसलिए अपनी ओर से उसने जुम्मन को पंच चुना। अलगू ने भी कोई आपत्ति नहीं की। उसने कहा, "यह पंचायत का मामला है। पंचायत के सामने मित्रता-शत्रुता का कोई भेद नहीं होता। पंचायत केवल न्याय का पक्ष लेती है। पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

उस घटना के बाद जुम्मन शेख अलगू चौधरी को अपना शत्रु मानने लगा। उसके मन में बदले की भावना भर गई। वह उससे बदला लेने का अवसर ढूँढ़ने लगा।

अलगू चौधरी ने बैल की एक जोड़ी मोल ली थी। बैल बड़े सुंदर और स्वस्थ थे। पंचायत के एक माह बाद उनमें से एक बैल मर गया। अलगू चौधरी ने दूसरे बैल को समझू साहू को बेच दिया। समझू साहू उसी गाँव का था। वह एक बैलवाली गाड़ी चलाता था। एक महीने के बाद दाम देने की बात तय हुई।

शब्दार्थ -

दर्दभरी – दुख भरी

विरूद्ध – विपक्ष

पंचायत – न्याय देने वाले पंच

माहवार – मासिक आमदनी

जायदाद – संपती

मुनाफा – फायदा

मोल ली – खरीद लेना

तय – निश्चय

दुध का दुध – और पानी का पानी कर दिया उचित न्याय देना

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अर्थबोध – पस्तुत अंश में पंच की महानता तथा पंच के न्याय करने का प्रक्रिया का वर्णन किया गया है
मौसी गाँव के लोगों को अपनी दर्दभरी कहानी सनाई और पंचायत बैठई ।
संध्या के समय पेड़ के नीचे पंचायत बैठी ।
जुम्मन का मित्र अलगू चौधरी सरपंच बनकर बैठे ।
पंच मौसी की दर्दभरी कहानी सुनकर मौसी के पस में निर्णय लिया ।
अलगू अपना फैसला सुनाते हुए कहो कि मौसी को माहावार खर्च दिया जाए ।
पंचायत का निर्णय सुन गाँव वाले पेंच का प्रशंसा करते हुए कहा पंच न्याय का साथ दिया ।
पंचायत के पास मित्रता-शत्रुता का भेद भाव नहीं होता है । इसलिए कहा जाता है । पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है ।
जुम्मन और अलगू के बिच की मित्रता शत्रुता में परिवर्तन हो जाता है ।
अलगू चौधरी समझू साह को एक जोड़ी बैल बेचा था ।
बैल का पैसा एक महिने बाद देना तय हुआ था ।
इस बात को लेकर दोनो में कहासुनी होता है ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृहकार्य:

पढाया गया पाठ को पढो ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow